दोस्तों और पूजिता की सपना। सबकी सपना।

हिमाचल की एक छोटी सी गाँव में पूजिता नामक एक लड़की रहती थी। वह एक गरीब कुटुंब की थी। उसकी पिताजी खेती चलाता था। उस गाँव के लोग बहुत अच्छे थे। वहाँ के लोग पढ़े-लिखे हुए नहीं थे। लेकिन पूजिता को पढ़ने का बड़ा शौक था। दुकान से सामान लाते वक्त मिलनेवाले पत्र का वह पढ़ती थी। पूजिता की गाँव के लोग खेती चलाते थे। पूजिता की दादी को एक चक्कर आकर गयी। उस बूढ़ी दादी माँ को हास्पिटाल ले जा सकते नहीं थे। गाँव में हास्पिटल नहीं थी। उन्हें अगर जाना है तो शहर जाने पढ़ते थें। उस दिन दादी को उठाकर पूजिता की पापा का दोस्त मोहन की गाड़ी में बिठा दिया और शहर लेकर गयी। दादीमाँ बच गयी। पूजिता को भी शहर लेकर गये थे। वह कई महिनों बाद देख रही थी। उस वक्त पूजिता की माँ के पेट में बच्चा था। कुछ महीनों बाद माँ को दर्द हुआ घर में पापा नहीं थे।

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

माँ को लेकर जाने में बहुत कठीन थी। पिताजी का दोस्त मोहन भी नहीं थें। गाँव के लोग मिलकर माँ को उठाकर चलने शुरु कि। लेकिन तोड़ा दूर के बाद सड़क में बच्चा पैदा हुआ। पुजिता को दुःख और खुशी एकसाथ आयी। क्योंकि पुजिता एक बहन को पहले से ही चाहती थी। उसे एक प्यारी सी बहन को मिलने पर खुशी हुई। दुःख अपनी माँ की दर्द देखकर हुई थी। चार किलोमिटर चलने के बाद गाड़ी मिली उसमें बिठाकर हास्पिताल लेकर गये। वहाँ की डाक्टर बहुत अच्छे थे। माँ को बहुत अच्छी लगी। और डाक्टर माँ को सात दिन बिताने के लिए माँगी थी। तो में पुजिता भी माँ के साथ सात दिन बितायी। एक दिन उस डाक्टर की बेटी आती है। एकदम सुंदर लड़की। वह देखकर पुजिता की पास आयी और अपनी बहन को दिखाने के लिए माँगी। पुजिता न दिखाई। पुजिता फिर उससे बात करने शुरु की जैसे की नाम क्या है? कौनसी

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 642 Participant Code: 103

कक्षा में पढ़ती है?, घर में कौन कौन है?
डाक्टर का बैटी का नाम शितल था उसकी
माँ की नाम। पुजिता ने पूचा की तुम्हारी माँ
कितर है। शितल ने बड़ी दुखी से कहाँ की
वो मर गयी। यह सुनकर पुजिता को दुःख
हुआ। पुजिता गाँव में वापस जाने से पहले
शितल ने पुछा की पुजिता को स्कूल जाने
का मन है क्या? पुजिता खुशी हो गयी।
लेकिन उसने कहा नही क्योंकि उसके गाँव
में माँ और पापा और छोटी बेहन को चोड़कर
कैसी आएगी। माँ ने यह बात सुनी और
शितल से कही की जरूर वह पढ़ेगी। पुजिता
को बहुत खुशी हुई। पुजिता शितल के साथ
घर जाती है। अगले दिन वह दोनों मिलकर
स्कूल जाती है। पुजिता ने शितल की एक
दोस्त से मिली। वह विलचयर में थी। पुजिता
ने पूचा की क्या हुआ। शितल आकर पुजिता
को बताया की वह एक दिन बिलडिंग की
ऊपर से गिरी उसी कारण से वह इस हाल में

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

61st Kerala State School Kalolsavam - Jan 03 To 07, 2023
Kozhikode

Item Code: 642 Participant Code: 103

आयी। वह बिलडिंग की ऊपर से गीरी क्योंकि उसकी घर में माँ और पापा के बिच कुच प्रश्न हुआ इसी के कारण वह गिरी। पूजिता ने एक फैसला की वह पढ़कर बडी होने के बाद इसकेलिए वह प्रवर्तित करेगी। उसने यह शितल से कहि शितल को बडी खुशी हुई। यह बात उसने चुन्नी को भी बतायी वह तीनों मिलकर पढने लगें। वह एक साथ खेलते थे, खाते थे, पढते थे, स्कूल में एकसाथ बैठते थे। वह स्कूल के बाद अलग-अलग होते है इसमें बहुत दुखी थे लेकिन उन लोग अपना लक्ष्य पर आगे बढ़ा। कुछ साल के बाद पूजिता गाँव पर आती है। आते वक्त स्कूल देखी पूजिता को खुशी हुई। वह देखने केलिए गयी। वहा चुन्नी को देखा गाँव के बच्चों को पढाने के लिए स्कूल शुरु की। पूजिता ने पूछा की शितल अब कहाँ है। चुन्नी ने कहाँ गाँव की आसपास एक छोटी सी हासपिताल शुरु की है। वहाँ वह

(Note: Graded Items may be published in Schoolwki. So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)

काम कर रही है। चुन्नी और पूजिता मिलकर शितल के पास गयी और शितल को बड़ी खुशी हुई। अन दोनों ने पूजिता से पूछा की वह क्या कर रही है। उसने बोला की वह एक कौनसीलिंग सेंन्टर बनायी है। एक स्थापन उसमे चुन्नी जैसी अनेक लोग रहती है। में आनेवाली पीढ़ियों केलिए काम कर रही हूँ। यह तीनों दोस्त को बहुत खुशी हुई। वह तीनों मिलकर दुनिया को बचाने केलिए प्रवर्तित कर रहे है। अपने अनुभव के अनुसार आने वाली पीढ़ियाँ को बचा रहे है।

संदेश - हमारे जिवन में एकना एक दिन समय आएगा वह हम दुसरों की भला केलिए उपयोग करना चाहिए। जो हम दुसरों से चाहते है वह पेहले हमारे से होना चाहिए। कभी हमारे से हुआ छोटी सी सहायता बड़ा कार्य के होगे यह समझकर हम सबको सहायता करना चाहिये जितनी हमारे से कर पाएंगे। दुसरों की भला दुनिया की भला है यह समझकर हम प्रवर्ति करें।

(**Note**: Graded Items may be published in **Schoolwki.** So write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf)